October 2018- March 2019 Vol. 12 (2) अक्तूबर 2018-मार्च 2019 खंड 12 (2)

From Director's Desk...

This half yearly period witnessed momentous achievements through various research outcomes, inter-institutional HRD programmes, IRRI-CIWA, CIWA-Mahindra, CIWA-State Govt. collaborative activities, celebration of important days in addition to the regular research and outreach activities. A prototype of tent type solar dryer has been made for promoting hygienic drying of small and indigenous freshwater fishes. With the objective of maximizing the yield from mango based production system, a series of intercropping options have been optimized to ensure round the year vegetable production in mango orchards. Proper feeding and management of goat and timely vaccination enabled the farm women to reduce mortality of kids from 20% to 5%. A two-days National Conference on ''Revisiting Agricultural Research and Monitoring System for Developing Innovations: To Meet Newer Challenges" was jointly organized by the Agricultural Research Service Scientists Forum and ICAR-CIWA during 24-25 November, 2018. The Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi launching programme in Odisha was organized at this Institute on 24 February, 2019. The inaugural function was graced by Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble Minister of State for Agriculture & Farmers' Welfare, Govt. of India, New Delhi as Chief Guest. Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, Govt of India, Shri Radha Mohan Singh laid down the Foundation Stone of ICAR-CIWA Women Trainees' Hostel through E plaque from ICAR-NRRI , Cuttack on 26 February, 2019. On his visit to ICAR-CIWA, the Honourable Minister interacted with all the staff members of CIWA and encouraged the scientists to bring out some novel women friendly farming technologies. The Institute celebrated/ observed Vigilance Awareness Week, Rashtriya Ekta Diwas, Agricultural Education Day, Women in Agriculture Day, World Soil Health Day, Kisan Divas, Swachhta Hi Sewa, Swachhta Pakhwada, National Productivity Week, National Science Day, International Women's Day and Foundation Day.

(S.K. SRIVASTAVA)

DIRECTOR

निदेशक की कलम से...

आधे वर्ष की इस अवधि के दौरान इस संस्थान में विभिन्न अनुसंधान परिणामों, अंतर-संस्थागत मानव संसाधन विकास संबंधी कार्यक्रमों , आईआरआरआई-सीआईडब्ल्यूए , सीआईडब्ल्यूए-मेहेन्द्रा, सीआईडब्ल्यूए- राज्य सरकार के सहयोगात्मक क्रियाकलापों, महत्वपूर्ण दिवसों के आयोजन और इसके साथ ही नियमित अनुसंधान एवं आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं। छोटी और मीठे जल की देसी मछलियों की सफाई से सुखाई करने को बढ़ावा देने के लिए टेंट प्रकार के एक सौर शुष्कक का प्रोटोटाइप तैयार किया गया है। आम पर आधारित उत्पादन प्रणाली से सर्वाधिक उपज लेने के उद्देश्य से अनेक अंतर-फसलन विकल्पों को उपयुक्ततम बनाया गया है, ताकि आम के बागों में वर्षभर सब्ज़ी उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके। बकरी के मेमनों की मृत्युदर को 20% से घटाकर 5% करने की दृष्टि से खेतिहर महिलाओं को सक्षम बनाने हेतु बकरियों को उचित आहार देने, उनका प्रबंधन करने और समय पर टीका लगाने का कार्य किया गया है। कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिक मंच (एग्रीकल्चरल रिसर्च सर्विस साइंटिस्ट फोरम) और भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला अनुसंधान संस्थान द्वारा 24-25 नवम्बर2018 को 'नवोन्मेषों के विकास के लिए कृषि अनुसंधान एवं निगरानी प्रणाली का पुनरावलोकन : नई चुनौतियों का सामना' विषय पर संयुक्त रूप से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस संस्थान में 24 फरवरी 2019 को ओडिशा के लिए प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री गजेन्द्रि सिंह शेखावत, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थिति होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। भारत सरकार के केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने 26 फरवरी 2019 को भा.कृ.अ.प.-एनआरआरआई, कटक से ई-प्लॉक के माध्यम से भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला अनुसंधान संस्थान के महिला प्रशिक्षणार्थी छात्रावास का शिलान्यास किया। भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला अनुसंधान संस्थान के अपने दौरे के दौरान माननीय मंत्री ने संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों से विचार-विमर्श किया तथा वैज्ञानिकों को कुछ नई महिलाओं के लिए उपयुक्त खेती संबंधी तकनीकें विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दिवस, कृषि शिक्षा दिवस, कृषिरत महिला दिवस, विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस, किसान दिवस, स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छता पखवाड़ा, राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और स्थापना दिवस जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(एस. के. श्रीवास्तव)

निदेशक

RESEARCH HIGHLIGHTS

Optimizing Technological Interventions with Gender Perspective in Small Scale Mango Orchards

Ankita Sahu, S.K. Srivastava, J. Charles Jeeva and Chaitrali S. Mhatre

With the objective of maximizing the yield from mango based production system, a series of intercropping options have been optimized to ensure "Round the year vegetable production in mango orchards". A trial was conducted in Harekrushnapur village of Mayurbhanj district, in which vegetable kits for summer, winter and rainy season were provided to 50 farm families to grow vegetables as an intercrop in a consolidated patch of mango orchard of 60 acres. Most of the farmers are marginal and have poor access to agri-inputs including quality seeds. As a point of intervention, good quality seeds of Arka varieties of vegetables were popularized among the farm families and trainings were provided on management of the crop. The varieties were selected on the basis of their yield potential and resistance to biotic and abiotic stresses. Focusing on optimum spatial and temporal utilization, the crops were grown in order to ensure continuous harvest from the production system. Early planting of crops was also advocated to the farming community to fetch remunerative market price. Some of the promising IIHR technologies viz., Arka fermented coco peat and Arka Microbial Consortium (AMC) was extended to the farmers of the region, in which the women farmers were provided hands on training in Pro-tray method of vegetable nursery raising by using the coco-peat and AMC. Eighty six per cent of the farmers reported vigorous vegetable seedlings by use of AMC. For popularizing the biological control of pests, Trichocards were distributed to control the severity of fruit borer infestation in brinjal. Considering the significance of micronutrient application in enhancing the yield and quality of vegetable crops, Arka vegetable special (micronutrient formulation) were also distributed.

Table: 1 Details of vegetables grown as an intercrop in juvenile Mango orchard planted at 10 m x 10 m spacing at village Harekrushnapur, Mayurbhanj district

S. No.	Vegetables	Cultivars	Specifications	Avg. yield (per acre)
1.	Brinjal	Arka Neelachal Kranti Arka Neelachal Shyama	Early High yielding	6-8 t
2.	Chilli	Arka Neelachal Agni	High yield Suitable for green as well as red chilli	2-3 t
3.	Tomato	Arka Rakshak	Triple disease resistant (Leaf Curl Virus, Bacterial Wilt and Early Blight), High yield: 30-32 t/acre in 140 days	24-25 t
4.	Onion	Arka Lalima	Medium to big sized bulbs with globe shape and firm texture Bulb yield: 19 t/acre.	8-10 t
5.	Okra	Arka Anamika	Field tolerant to Yellow Vein Mosaic Virus, Yield 8 t/acre	5-6 t

अनुसंधान उपलब्धियां

आम के छोटे आकार के बागों में लिंग के संदर्भ में प्रौद्योगिकीय युक्तियों को उपयुक्ततम बनाना

अंकिता साहू, एस.के. श्रीवास्तव, जे. चार्ल्स जीवा और चैत्राली एस. म्हात्रे

आम पर आधारित उत्पादन प्रणाली से सर्वाधिक उपज लेने के उद्देश्य से अनेक अंतरफसलन विकल्पों को उपयुक्ततम बनाया गया है, ताकि 'आम के बागों में पूरे वर्ष सब्जी उत्पादन' सुनिश्चित किया जा सके। मयूरभंज जिले के हरेकृष्णपुर गांव में एक परीक्षण किया गया जिसमें 50 किसान परिवारों को ग्रीष्मकालीन, शरदकालीन और वर्षा ऋतु की सब्जियों की किट उपलब्ध कराई गईं, ताकि आम के 60 एकड़ के बाद के एकमुश्त टुकड़े पर अंतरफसल के रूप में सब्जियां उगाई जा सके। जिन किसानों को ये किट उपलब्ध कराई गई उनमें से अधिकांश सीमांत हैं तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण बीजों सहित कृषि से संबंधित अन्य निवेश आसानी से उपलब्ध नही हो पाते हैं। हस्तक्षेप के तौर पर सब्जियों की अर्का किस्मों के श्रेष्ठ गुणवत्तापूर्ण बीजों को कृषक परिवारों के बीच लोकप्रिय बनाया गया तथा फसल के प्रबंध पर उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन किस्मों का चुनाव उनकी उपज क्षमता तथा जैविक व अजैविक प्रतिकूल स्थितियों के विरुद्ध प्रतिरोध के आधार पर किया गया था। समय और काल के उपयुक्ततम उपयोग को ध्यान में रखते हुए फसलें उगाई गईं ताकि उत्पादन प्रणाली से निरंतर फसलें लेना सुनिश्चित हो सके। बाजार से लाभदायक मूल्य प्राप्त करने के लिए किसान समुदाय को फसलों की अगेती रोपाई करने की सलाह दी गई। इस क्षेत्र के किसानों को आईआईएचआर की कुछ आशाजनक प्रौद्योगिकियों जैसे अर्का किण्वित कोकोपीट और अर्का सूक्ष्मजैविक कंसोर्टियम (एएमसी) को अपनाने के लिए कहा गया। इसके साथ ही खेतिहर महिलाओं को कोकोपीट और एएमसी का उपयोग करके सब्जी की नर्सरी उगाने की प्रो-ट्रे विधि का प्रशिक्षण भी दिया गया। लगभग 86% किसानों ने एएमसी के उपयोग से सब्जी पौधों की अच्छी वृद्धि के बारे में रिपोर्ट किया। पीड़कनाशियों के जैविक नियंत्रण को लोकप्रिय बनाने के लिए बैंगन की फसल में फलबेधक कीट के संक्रमण की गहनता को नियंत्रित करने के लिए ट्राइकोकार्ड वितरित किए गए। सब्जी फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग के महत्व को ध्यान में रखते हुए अर्का वेजिटेबल स्पेशल (सूक्ष्मपोषक तत्व फार्मूलेशन) भी वितरित किए गए।

सारणी 1: मयूरभंज जिले के हरेकृष्णपुर गांव में 10 मी.x 10 मी. अंतराल की रोपाई वाले आम के युवा पौधों के बाग में अंतरफसल के रूप में उगाई गई सब्जियों का विवरण

क्र.सं.	सब्जियां	किस्में	विशिष्टताएं	औसत उपज (प्रति एकड़)
1.	बैंगन	अर्का नीलांचल क्रांति अर्का नीलांचल श्यामा	अगेती उच्च उपजशील	6-8 टन
2.	मिर्च	अर्का नीलांचल अग्नि	उपज उपजशील लाल मिर्च तथा हरी मिर्च की दृष्टि से उपयुक्त	2-3 टन
3.	टमाटर	अर्का रक्षक	तिहरा रोग प्रतिरोध (पर्ण कुचन विषाणु, जीवाण्विक मुरझान और अगेती झुलसा), उच्च उपजशील : 30-32 टन/है. – 140 दिनों में	24-25 टन
4.	प्याज	अर्का लालिमा	कठोर बनावट के साथ-साथ ग्लोब जैसी आकृति के मझौले से बड़े आकार के प्याज के गंठे प्याज उपज : 19 टन/एकड़	8-10 टन
5.	भिण्डी	अर्का अनामिका	पीले शिरा चित्ती विषाणु की खेत में सहिष्णु, 8 टन/एकड़ उपज	5-6 टन

S. No.	Vegetables	Cultivars	Specifications	Avg. yield (per acre)
6.	Dolichos bean	Arka Adarsh	Pole type, Photo-insensitive Early variety, Pod Yield: 12 t/acre in 120 days	6-7 t
7.	Garden pea	Arka Apoorva	Mid-season pea variety Whole pod edible Resistant to rust and powdery mildew, Pod yield: 4 t/acre in 90 days	2-2.5 t
8.	Radish	Arka Nishant	Resistant to pithiness Premature bolting, root branching and forking. Yield 14-16 t/acre.	8-10 t
9.	Amaranthus	Arka Samrakshak	High yielding, High antioxidant activity, Yields 4.4 t/acre in 30-35 days	3.5-4 t
10.	Spinach	Arka Anupama	Multi-cut type, Late flowering Medium large, dark green, thick and succulent leaves Low in oxalates, Yields 16 t/acre from 4 cuttings in 75-80 days	9-10 t
11.	Yam	Orissa Elite	Field tolerant to leaf spot, scales and mealy bugs Avg. yield is 10 t/acre	7.5-8 t
12.	Cucurbits	Hybrid varieties	Greater yield potential	8-12 t

क्र.सं.	सब्जियां	किस्में	विशिष्टताएं	औसत उपज (प्रति एकड़)
6.	सेम	अर्का आदर्श	बेल प्रकार की, प्रकाश-असंवेदी अगेती किस्म, फली उपज : 12 टन/एकड़ – 120 दिनों में	6-7 टन
7.	सब्जी मटर	अर्का अपूर्व	मटर की मध्य मौसमी किस्म जिसकी पूरी फली खाई जा सकती है, रतुआ तथा चूर्णी फफूंद की प्रतिरोधी, फली उपज : 4टन/एकड़ – 90 दिनों में	2-2.5 टन
8.	मूली	अर्का निशांत	मूली कड़ेपन की प्रतिरोधी पकने के पूर्व बोल्टिंग की भी प्रतिरोधी। इसके साथ-साथ जड़ के शाखित होने और विभाजित होने के प्रतिरोध से युक्त उपज 14-16 टन/एकड़	8-10 टन
9.	चौलाई	अर्का संरक्षक	उच्च उपजशील उच्च एंटिऑक्सीडेंट क्रिया, उपज 4.4 टन/एकड़ – 30-35 दिनों	3.5-4 टन
10.	पालक	अर्का अनुपमा	अनेक कटाई वाली, पछेती पुष्पन, मध्यम बड़ी, गहरे हरे रंग की, मोटी और रसभरी पत्तियां, ऑक्जोलेट की मात्रा कम, उपज : 4 कटाइयों में 16 टन/एकड़ - 75-80 दिनों में	9-10 टन
11.	जीमीकंद	उड़ीसा एलाइट	पत्ती धब्बा, स्केल और मीली बग की खेत सहिष्णु, औसत उपज, 10 टन/है.	7.5-8 टन
12.	खीरा-ककड़ी	संकर किस्में	अधिक उपज क्षमता	8-12 टन

Brinjal cv. Arka Neelachal Kranti

Enhancing Income of Rural Women through Improved Goat Rearing

Biswanth Sahoo, Anil Kumar, A. K. Panda, Sabita Mishra and Jyoti Nayak

The project was implemented in 2 major goat producing districts i.e., Ganjam and Khorda of Odisha. A study (field trial) of 4 months duration was conducted on the effect of supplementary feeding of locally available proteinaceous oil cakes and mineral mixture on the growth performance of male kids. Supplementation of mineral mixture along with groundnut oil cake resulted in higher growth rate by 17.3% showing synergistic effect of protein and mineral mixture on growth performance of goats. Twenty farm women in both the districts were trained through capacity development

उन्नत बकरी पालन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि

बिश्वनाथ साहू, अनिल कुमार, ए.के. पाण्डा, सबिता मिश्रा और ज्योति नायक

यह परियोजना ओडिशा के 2 प्रमुख बकरी उत्पादक जिलों नामत: गंजम और खोर्दा में लागू की गई थीं। स्थानीय रूप से उपलब्ध प्रोटीन से भरपूर तेल की खलियों और खनिज मिश्रण के पूरक आहार का बकरियों के नर मेमनों की वृद्धि निष्पादन पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसका पता लगाने के लिए 4 माह की अवधि का एक अध्ययन (प्रक्षेत्र परीक्षण) किया गया। मूंगफली के तेल निकाली गई खली के खनिज मिश्रण से युक्त आहार देने से 17.3% उच्चतर वृद्धि दर प्राप्त हुई जिससे बकरियों के वृद्धि संबंधी निष्पादन पर प्रोटीन और खनिज मिश्रण के सकारात्मक प्रभाव का प्रदर्शन होता है। दोनों जिलों की 20 खेतिहर महिलाओं को बकरियों के आवास, आहार, प्रजनन, प्रबंधन व रोग से बचाव की विधियों पर क्षमता विकास संबंधी कार्यक्रम के

programme on housing, feeding, breeding, management and disease prevention methods. Proper feeding and management of goat and timely vaccination enabled the farm women to reduce mortality of kids from 20% to 5%.

Status of Women in Peri-urban Dairy Farming: Mainstreaming their Role for Enhancing Income and Productivity

Biswanath Sahoo, Anil Kumar, A. K. Panda and Lipi Das

The project was undertaken in three urban areas of Odisha viz., Jagatsinghpur, Cuttack and Puri. The study revealed that the dairy farmers in Odisha retain only 25 per cent of the milk at household level, sell about 60 per cent as fluid milk and convert only 18 per cent of the milk into value added dairy products. Milk production density (kg/day/km2) was highest in Jagatsinghpur (173) followed by Cuttack (108) and Puri (104). The availability of milk (g/day) in Jagatsinghpur was highest (250) followed by Puri (208) and Cuttack (159) which might be due to high human population in Cuttack. Organization of farmers-scientists interface, awareness and training programme enabled to popularize the technologies especially feeding of mineral mixture, balanced ration and cultivation of perennial fodder (Sugar cane, Yashwant, Hybrid napier, CO-4, IGFRI-6) by 50% of identified farm women in each study areas of 3 districts engaged in peri urban dairy farming.

Gender Inclusive Homestead Aquaculture for Enhancing Household Fish Consumption and Income

Tanuja, S., Ananta Sarkar, Gayatri Moharana and Chaitrali S. Mhatre

Indigenous fishes collected from the wild (rivers and canals) were stocked in 12 homestead ponds of Dubuduba village @ 10000/acre. A reservoir pond of small indigenous fish has been maintained in the village. The homestead pond owners were taught the method of measurement of pH, alkalinity and hardness of pond water using kits which are primary water quality indicators. For the periodic harvesting of small indigenous fishes from homestead ponds, a prototype of dip net has been made. Gill nets with mesh size of 12mm were made and trials of harvesting of small indigenous fishes with these gill nets were made after 2 months of stocking of SIFFS. The gill nets were set for almost 6-7 hrs in the pond. On an average, 3.6 kg/acre of SIFFS were harvested from homestead ponds using the gill nets. The harvested Amblypharyngodon mola (Mahurali) had crude protein 53.03%, crude fat13.75%, ash 19.5%, Calsium 2.11%, Phosphorus 2.1%, Magnesium 0.132%, Iron 101.5ppm, Copper 114.5ppm, Zinc 91.6ppm and Manganese 32ppm. Indigenous box type and funnel type fish traps were procured from local fishermen for testing its efficiency in harvesting of SIFFS from homestead ponds and also to make possible refinements with women perspective. A prototype of tent type solar dryer has been made for promoting hygienic drying of SIFFS.

माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। बकरियों को उचित आहार देने व उनका प्रबंधन करने के साथ-साथ उनके समय पर टीकाकरण से खेतिहर महिलाओं की मेमनों की मृत्यु दर 20% से घटकर 5% रह गई।

परिनगरीय डेरी पालन में महिलाओं की स्थिति : आय तथा उत्पादकता बढ़ाने में उनकी मुख्य धारा संबंधी भूमिका

बिश्वनाथ साहू, अनिल कुमार, ए.के. पाण्डा और लिपि दास

यह परियोजना ओडिशा के शहरी क्षेत्रों नामत: जगत सिंह पुर, कटक और पुरी में चलाई गई। अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि ओडिशा के डेरी पालक किसान केवल25 प्रतिशत दूध अपने घरों के लिए रखते हैं, 60% दूध बाजार में बेचते हैं और केवल 18% दूध को ही मूल्यवर्धित डेरी उत्पादों में परिवर्तित करते हैं। दुग्धोत्पादन घनत्व (कि.ग्रा./दिन/कि.मी.2) जगतसिंहपुर में सर्वोच्च(173) था जिसके पश्चात् क्रमश: कटक (108) और पुरी (104) का स्थान था। दूध की उपलब्धता (ग्रा./दिन) भी जगतसिंहपुर में ही सर्वोच्च थी (250) जिसके पश्चात् इस मामले में पुरी (208) और कटक (159) का स्थान था। इसका कारण कटक में उच्च मानव जनसंख्या हो सकता है। किसानों-वैज्ञानिकों के बीच सम्पर्क कार्यक्रमों, जागरूकता तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन से प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से पशुओं को खनिज मिश्रण, संतुलित राशन का आहार देने और बहु वर्षीय चारे (सूगर केन, यशवंत, हाइब्रिड नेपियर, सीओ-4, आईजीएफआरआई-6) की खेती करने से इन प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने में मदद मिली। यह अध्ययन परिनगरीय डेरी पालन वाले 3 जिलों में प्रत्येक क्षेत्र के अंतर्गत पहचानी गई खेतिहर महिलाओं में किया गया था और इसके परिणामस्वरूप 50 प्रतिशत लाभदायक परिणाम प्राप्त हुए।

मछली के घरेलू उपयोग तथा आय में वृद्धि के लिए लिंग समाहित वासभूमि जलजंतु पालन

तनुजा एस., अनन्त सरकार, गायत्री मोहराना और चैत्राली एस. म्हात्रे

वन्य क्षेत्र (नदियों और नहरों) से एकत्र की गई देसी मछलियों को दुबदुबा गांव में 10000/एकड़ की दर से 12 वासभूमि तालाबों में रखा गया। गांव में देसी मछलियों का एक जलाशय तालाब भी बनाकर उसका रखरखाव किया गया है। वासभूमि तालाब के स्वामियों को pH मापने, किट का उपयोग करने तालाब के जल की क्षारीयता और कठोरता को नापने की विधि के बारे में सिखाया गया। इससे जल की गुणवत्ता को बनाए रखने में सहायता मिली। वासभूमि तालाबों से छोटी देसी मछलियों को निर्धारित अवधि में पकड़ने के लिए निमज्जन जाल का एक प्रोटोटाइप बनाया गया। 12 मि.मी. के जाली आकार के गलफड़ा जाल तैयार किए गए तथा इन गलफड़ा जालों की सहायता से एसआईएफएफएस के 2 माह के भंडारण के पश्चात् छोटी देसी मछलियों को पकड़ने पर परीक्षण किए गए। ये गलफड़ा जाल तालाब में लगभग 6-7 घंटों के लिए लगाए गए। इन जालों का उपयोग करके वासभूमि तालाबों से औसतन 3.6 कि.ग्रा./एकड़ एसआईएफएफएस का प्रग्रहण किया गया। इस प्रकार पकड़ी गई एम्बलीफरिंगोडॉन मोला (महुराली) में 53.03% कच्चा प्रोटीन, 13.75% कच्चा वसा, 19.5% भस्म, 2.11% कैल्सियम, 2.2% फास्फोरस, 0.132% मैग्नीशियम, 101.5 पीपीएम लौह, 114.5 पीपीएम तांबा 91.6 पीपीएम जस्ता और 32 पीपीएम मैग्नीज़ होते हैं। वासभूमि तालाबों से एसआईएफएफएस के प्रग्रहण में दक्षता की जांच के लिए स्थानीय मछुआरों से देसी बक्सा प्रकार के और फुलेन प्रकार के फंदे खरीदे गए तथा महिलाओं के संदर्भ में इनमें यथासंभव संशोधन भी किए गए। एसआईएफएफएस के स्वच्छतापूर्ण शुष्कन को बढ़ावा देने के लिए टेंट प्रकार के एक सौर शुष्कक का प्रोटोटाइप भी बनाया गया है।

Prototype of tent type solar dryer

DSIR funded project on "Adding Value to Fish: a Potential Livelihood Option for Rural Women of Odisha"

Tanuja, S. and J. Charles Jeeva

Consumer preferences of value added fish products was assessed through a survey of 30 urban consumers. As per the survey report, price, taste and health factor are the most important attributes which consumers look for in a value added fish product.

Table 2. Attributes of value added fish products which consumer considered as important (%)

Attributes	Solar dried fish	Prawn pickle	Prawn chutney powder	Fish cutlet	Fish momos	Fish papad
Price	90	90	95	80	95	90
Appearance	75	90	85	75	90	80
Attractive packing	70	70	70	80	85	75
Taste	95	95	95	98	85	90
Availability	50	60	45	70	50	70
Ease of availability of ingredients and ease of preparation	80	50	60	85	60	60
Variety	40	60	50	40	50	40
Health factor	85	90	90	80	90	80
Nutrition information on the pack	90	85	70	80	80	85
Ease of availability	50	50	60	45	70	60

The proximate composition, nutritional analysis and organoleptic assessment of the various value added products prepared were done. The shelf analysis of the innovative value added products are being carried out.

Table 3. Proximate composition of value added fish products

Products	Moisture(%)	Crude protein (%)	Fat (%)	Ash (%)
Papad	7.79	41.08	3.4	40
Dry Kokali	14.39	77.68	8	44.7
Dry Rani	30	70.225	12.75	26.73
Dry Mahurali	24.18	53.85	11.75	21
Dry Prawn	5.8	62.23	2.5	64.7
Prawn Chutney powder	2.8	35.35	5.6	54.7
Prawn pickle	38	19.83	27.25	2.4

'मछलियों का मूल्यवर्धन : ओडिशा की ग्रामीण महिलाओं के लिए एक सक्षम आजीविका विकल्प' पर डीएसआईआर की निधि सहायता प्राप्त परियोजना

तनुजा, एस. और चार्ल्स जीवा

कुल 30 शहरी उपभोक्ताओं के सर्वेक्षणों के माध्यम से मछलियों के मूल्यवर्धित उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं की पसंद का मूल्यांकन किया गया। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार मूल्य, स्वाद और स्वास्थ्य संबंधी कारक वे सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं जिन्हें उपभोक्ता मछलियों के मूल्यवर्धित उत्पादों में देखना चाहते हैं।

सारणी 2. उपभोक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले महत्व को ध्यान में रखते हुए मछली के मूल्यवर्धित उत्पादों की विशेषताएं

विशेषताएं	सौर शुष्कित मछली	झींके के अचार	झींगा चटनी चूर्ण	मछली कटलेट	मछली मोमो	मछली पापड़
मूल्य	90	90	95	80	95	90
दिखावट	75	90	85	75	90	80
आकर्षक पैकिंग	70	70	70	80	85	75
स्वाद	95	95	95	98	85	90
उपलब्धता	50	60	45	70	50	70
घटकों की आसानी से उपलब्धता और तैयार करने में आसानी	80	50	60	85	60	60
किस्म	40	60	50	40	50	40
स्वास्थ्य संबंधी कारक	85	90	90	80	90	80
पैक पर दी गई पोषक संबंधी सूचना	90	85	70	80	80	85
आसानी से उपलब्धता	50	50	60	45	70	60

तैयार किए गए विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के संघटन, पोषणिक विश्लेषण तथा स्वास्थ्य संबंधी मूल्यांकन किए गए। नए मूल्यवर्धित उत्पादों की निधानी आयु या बिना खराब हुए टिके रहने की अवधि का विश्लेषण भी किया गया।

सारणी 3. मछली के मूल्यवर्धित उत्पादों का आसन्न संघटन

उत्पाद	नमी (%)	कच्चा प्रोटीन (%)	वसा (%)	भस्म (%)
पापड़	7.79	41.08	3.4	40
शुष्क कोकाली	14.39	77.68	8	44.7
शुष्क रानी	30	70.225	12.75	26.73
शुष्क महुराली	24.18	53.85	11.75	21
शुष्क झींगा	5.8	62.23	2.5	64.7
झींगा चटनी चटनी पाउडर	2.8	35.35	5.6	54.7
झींगे का अचार	38	19.83	27.25	2.4

MAJOR EVENTS

National Conference on 'Revisiting Agricultural Research and Monitoring System for Developing Innovations: To Meet Newer Challenges'

A two-days National Conference on ''Revisiting Agricultural Research and Monitoring System for Developing Innovations: To Meet Newer Challenges" was jointly organized by the Agricultural Research Service Scientists Forum and ICAR-Central Institute for Women in Agriculture at ICAR-CIWA, Bhubaneswar during 24-25 November, 2018. The Conference was inaugurated by Dr. N. S. Rathore, Deputy Director General (Ag. Education), ICAR, New Delhi. The National Conference was designed to address the gaps that impede the faster dissemination of developed agricultural technologies to the farmers and to suggest the efficient ways for reforming the present agricultural research monitoring system. The main objective of the conference was to reform the agricultural research monitoring system in tune with the problem solving approach at field level and to motivate scientists to evolve farmers' friendly technologies for faster adoption that aid in doubling the farmers' income. Dr. P.K. Agarwal, Assistant Director General (NASF), ICAR, New Delhi delivered the valedictory address during the valedictory session on 25 November, 2018. Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, Dr. Indramani Mishra, President, ARSSF, Dr. S. Manivannan, General Secretary, ARSSF and Dr. P.S. Brahmanand, Vice-President (Eastern Zone), ARSSF coordinated the Conference. Directors from various ICAR Institutions, and about 120 Scientists from different parts of the Country attended the Conference.

ICAR-CIWA signed MoU with Panagri Consultancy (OPC) Private Limited, Bhubaneswar for Gender Empowerment in Agriculture

The Memorandum of Understanding was signed between ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA),Bhubaneswar and Panagri Consultancy (OPC) Private Limited, Bhubaneswar on 4 January, 2019 in the august presence of Institute Management Committee (IMC) Members on the occasion of 20th IMC Meeting of ICAR-CIWA. As per the MoU, both institutions have decided to enter into long-term collaboration for conducting research projects,

प्रमुख कार्यक्रम

'नवोन्मेषों के विकास के लिए कृषि अनुसंधान एवं निगरानी प्रणाली का अवलोकन : नई चुनौतियों से निपटना' पर राष्ट्रीय सम्मेलन

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिक मंच (एआरएसएसएफ) और भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से 24-25 नवम्बर 2018 को भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 'नवोन्मेषों के विकास के लिए कृषि अनुसंधान एवं निगरानी प्रणाली का अवलोकन : नई चुनौतियों से निपटना' पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. एन.एस. राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने किया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन किसानों तक विकसित प्रौद्योगिकियों के तेजी से प्रचार-प्रसार में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा वर्तमान कृषि अनुसंधान निगरानी प्रणाली में सुधार के कारगर उपाय सुझाने के लिए आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य खेत स्तर पर समस्याओं को हल करने तथा वैज्ञानिकों को किसानों के लिए अनुकूल ऐसे प्रौद्योगिकियां विकसित करने हेतु प्रेरित करना था जिन्हें किसान तेजी से अपना सकें और इस प्रकार, उनकी आय दुगुनी हो सके। समापन सत्र के दौरान 25 नवम्बर 2018 को डॉ. पी.के. अग्रवाल, सहायक महानिदेशक (एनएएसएफ), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने समापन भाषण दिया। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान; डॉ. इन्द्रमणि मिश्र, अध्यक्ष, एआरएसएसएफ; डॉ. एस. मणिवन्नन, महासचिव, एआरएसएसएफ; तथा डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद, उपाध्यक्ष (पूर्वी अंचल), एआरएसएसएफ ने सम्मेलन का संयोजन किया। भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों के निदेशकों तथा देश के विभिन्न भागों से आए लगभग 120 वैज्ञानिकों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

कृषि में लिंग सशक्तिकरण के लिए भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान और पनाग्री कंसल्टेंसी (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड, भुवनेश्वर के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की 20वीं संस्थान प्रबंध समिति की बैठक में संस्थान प्रबंध समिति (आईएमसी) की गरिमामय उपस्थिति में 4 जनवरी 2019 को भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए), भुवनेश्वर तथा पनाग्री कंसल्टेंसी (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड, भुवनेश्वर ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन के अनुसार दोनों संस्थाओं ने कृषि उत्पादन, क्षमता निर्माण, प्रभाव मूल्यांकन, आधार स्तर के सर्वेक्षणों, सामाजिक-आर्थिक विकास, लिंग सशक्तिकरण

technical studies, trainings, knowledge transfer on agri-production, capacity building, impact assessment, base line surveys, socio-economic development, skill development etc on gender empowerment. The MoU was signed by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA Bhubaneswar and Shri. Sushanta Nayak, Director, Panagri Consultancy (OPC) Private Limited on behalf of respective organizations.

Launching of Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi and Kisan Mela

The Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi launching programme in Odisha was organized at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar on 24 February, 2019. The programme was formally launched at national level by the Hon'ble Prime Minister of India at Gorakhpur, Uttar Pradesh. A Kisan Mela cum live webcast/ telecast of this launching programme was organized at the Institute in which about 1500 farmers, Govt. officials and Scientists participated. The inaugural function was graced by Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble Minister of State for Agriculture & Farmers' Welfare, Govt. of India, New Delhi as Chief Guest and Mr. P. K. Swain, Jt. Secretary (Marketing), Dept. of Agriculture & Cooperation, Govt. of India, New Delhi as guest of honour. The event offered an opportunity for several farmers representing 40 villages across Odisha to attend the live webcast of PM Mann ki Baat, followed by detailed elaboration of the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi programme. One of the progressive farm women, Smt. Gouri Mohapatra of Nuasahi village of Puri district interacted live with the Hon'ble PM and expressed her gratitude for the benefits which she availed from several Govt. schemes aiming to double the farm income. The programme was successfully coordinated by Dr. B. Sahoo, Pr. Scientist, ICAR-CIWA.

Shri Radha Mohan Singh, Union Minister of Agriculture visited ICAR-CIWA

Hon'ble Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, Govt of India, Shri Radha Mohan Singh laid down the Foundation Stone of ICAR-CIWA Women Trainees' Hostel through E plaque from ICAR-NRRI , Cuttack on 26 February, 2019. On his visit to ICAR-CIWA, the Honourable Minister interacted with all the staff members of CIWA and encouraged

पर कौशल विकास आदि जैसे विषयों में अनुसंधान परियोजनाएं चलाने, तकनीकी अध्ययन करने, प्रशिक्षण आयोजित करने, कृषि उत्पादन पर ज्ञान के हस्तांतरण के लिए दीर्घावधि सहयोग करने का निर्णय लिया है। इस समझौता ज्ञापन पर दोनों संघटनों की ओर से डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर और श्री सुशांत नायक, निदेशक, पनाग्री कंसल्टेंसी (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और किसान मेले का शुभारंभ

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,भुवनेश्वर में 24 फरवरी 2019 को ओडिशा में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्तर पर औपचारिक शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री ने गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में किया था। इस संस्थान में इस शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव वेब प्रसारण/टीवी प्रसारण किसान मेले में किया गया। इस मेले में लगभग 1500 किसानों, सरकारी अधिकारियों तथा वैज्ञानिकों ने भाग लिया था। श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री पी.के. स्वैन, संयुक्त सचिव (विपणन), कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने इस कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में भाग लिया। इस आयोजन से ओडिशा के 40 गांवों के अनेक किसानों को प्रधानमंत्री के मन की बात का सजीव वेबकास्ट देखने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इसके पश्चात् प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पुरी जिले के नौसाही गांव की एक प्रगतिशील महिला किसान श्रीमती गौरी मोहपात्रा ने माननीय प्रधानमंत्री से आमने-सामने चर्चा की तथा भारत सरकार की उन अनेक योजनाओं से होने वाले लाभों के प्रति आभार व्यक्त किया जिनका उद्देश्य किसानों की आय दुगुनी करना है। डॉ. बी. साहू, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संयोजन किया।

माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह का भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान का दौरा

भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने 26 फरवरी 2019 को भा.कृ.अ.प.-एनआरआरआई, कटक से ई-प्लॉक के माध्यम से भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के महिला प्रशिक्षणार्थी छात्रावास का शिलान्यास किया। भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के अपने दौरे के दौरान मंत्री महोदय ने संस्थान के स्टाफ सदस्यों से विचार-

the scientists to bring out some novel women friendly farming technologies. During his address, he signified that a model of 1-2 acres of Integrated farming with women friendly technologies should be designed at the Institute's farm where the farmers can learn how to manage their locally available resources scientifically. The importance of terrace gardening, urban horticulture, mushroom farming and value addition as successful enterprise for women groups were also highlighted by the Hon'ble Minister.

विमर्श किया तथा वैज्ञानिकों को खेतिहर महिलाओं के लिए अनुकूल कुछ नई प्रौद्योगिकियां विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकियों से युक्त लगभग 1-2 एकड़ का समेकित फार्मिंग प्रणाली मॉडल इस संस्थान के फार्म पर विकसित किया जाना चाहिए, जहां किसान ये सीख सकें कि वे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का वैज्ञानिक ढंग से कैसे प्रबंध कर सकते हैं। मंत्री महोदय ने छत पर वाटिका लगाने, नगरीय बागवानी, खुम्बी की खेती तथा मूल्यवर्धन के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे सफल उद्यम हैं जिन्हें महिला समूह आसानी से अपना सकते हैं।

CELEBRATION OF NATIONAL DAYS

ICAR-CIWA observed Vigilance Awareness Week - 2018

As per the decision of Central Vigilance Commission and directives of Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, ICAR-CIWA Bhubaneswar observed Vigilance Awareness Week-2018 from 29 October to 3 November, 2018, with the theme of "Eradicate corruption-build a new India". Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA administered the pledge to all the staff members and explained the importance of the event. As a part of the celebrations, several lectures on eradicating corruption, policies/ procedures of organization, procurement procedures and essay and debate competitions for the staff of ICAR-CIWA were also organised.

राष्ट्रीय दिवस का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2018 का आयोजन

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के एक निर्णय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुसार भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 29 अक्तूबर से 3 नवम्बर 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2018 आयोजित किया गया जिसका मुख्य विषय 'भ्रष्टाचार उन्मूलन – नए भारत का निर्माण' था। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने स्टाफ के सभी सदस्यों को शपथ दिलाई तथा इस अवसर के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंग के रूप में भ्रष्टाचार उन्मूलन, संघटन की नीतियां/क्रियाविधियां, खरीद की क्रियाविधियां जैसे विषयों पर अनेक व्याख्यान आयोजित किए गए तथा भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के स्टाफ सदस्यों के लिए निबंध लेखन व वाद-विवाद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

Observation of Rashtriya Ekta Diwas (National Unity Day)

The Institute observed the Rashtriya Ekta Diwas (National Unity Day) on 31 October, 2018. Rashtriya Ekta Diwas is celebrated to pay tribute to Sardar Vallabhbhai Patel, who was instrumental in keeping India united. The programme started with the inaugural address by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. It was followed by National Unity Pledge taken by all the staff and formation of human chain in the shape

राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

सरदार वल्लभ भाई पटेल जिन्होंने भारत को एक बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, को श्रृद्धांजलि देने के लिए संस्थान में 31 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के उद्घाटन भाषण से हुआ। इसके पश्चात् स्टाफ के सभी सदस्यों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली और भारत के मानचित्र की आकृति की मानव श्रृंखला बनाई। इस

of map of India. A unity run was also organized, in which all the staff members, including contractual staff participated with enthusiasm.

ICAR-CIWA observed Agricultural Education Day

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar observed 'Agricultural Education Day' on 3 December, 2018 at Government Nodal High School, CRPF, Baramunda, Bhubaneswar. The importance of Agricultural Education Day was discussed among the students & teachers and the students were encouraged to take up agriculture discipline as a challenging career option. During this occasion, a debate competition on 'Importance of Agricultural Education: Need of the Hour' and an essay competition on 'Effect of climate change on agriculture' were organized. Also quiz and painting competitions were organized among junior and senior groups students. A total of 520 students and 30 school teachers participated in the programme and more than 220 students participated in various competitions.. This programme was coordinated by the Nodal Officer Ms. Gayatri Moharana and Co Nodal Officer Dr. J.C. Jeeva, Er. Chaitrali S. Mhatre with the other team members of CIWA Mr. B.C. Behera, Er. Pragati Kishore Rout, Er Subrat K. Das, Mr Atul C. Hemrom, and Mrs Tapawini Sahoo.

ICAR-CIWA observed Women in Agriculture Day

ICAR- CIWA observed "Women in Agriculture Day" on 4 December 2018 in Satyabadi block of Puri district. Dr. Jyoti Nayak, Nodal Officer, Women in Agriculture Day presented the objective of the day which is dedicated to bring recognition to women farmers for their involvement and significant contributions made in agriculture and allied fields. Dr. Lipi Das, Principal Scientist in her address stressed upon the need of skill-based capacity building programmes for women farmers and also explained the importance, necessity and advantages of forming women groups which would give them access to credit facilities leading to more visibility of women involved in farming sector. During the presidential address, Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA expressed his gratitude to the women farmers and appreciated their significant contribution in various farming sectors. The programme was attended by more than 160 women farmers and officers from line departments and staff from ICAR-CIWA.

ICAR-CIWA celebrated World Soil Health Day

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar celebrated World Soil Health Day on 5 December, 2018 at

अवसर पर एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया जिसमें निविदा स्टाफ सहित स्टाफ के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में कृषि शिक्षा दिवस

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा शासकीय नोडल उच्च विद्यालय, सीआरपीएफ, बारामुंडा, भुवनेश्वर में 3 दिसम्बर 2018 को 'कृषि शिक्षा दिवस' का आयोजन किया गया। छात्रों और अध्यापकों के बीच कृषि शिक्षा दिवस के महत्व के अवसर पर चर्चा की गई तथा छात्रों को चुनौतीपूर्ण जीविका वृत्ति के विकल्प के रूप में कृषि को शिक्षा के एक विषय के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर 'कृषि शिक्षा का महत्व : समय की मांग' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा 'कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 520 छात्रों और 30 विद्यालय शिक्षकों ने भाग लिया, जबकि 220 से अधिक छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागेदारी की। इस कार्यक्रम का संयोजन नोडल अधिकारी सुश्री गायत्री मोहराना और सह-नोडल अधिकारी डॉ. जे.सी. जीवा, इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे तथा संस्थान के अन्य दल सदस्यों ने मिलकर की। दल के इन सदस्यों में श्री बी.सी. बेहरा, इंजीनियर प्रगतिकिशोरी राउत, इंजीनियर सुब्रत के दास, श्री अतुल सी. हेमरोम और श्रीमती तपस्विनी साहू शामिल थे।

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में कृषिरत महिला दिवस

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने पुरी जिले के सत्यवादी ब्लॉक में 4 दिसम्बर 2018 को 'कृषिरत महिला दिवस' मनाया। डॉ. ज्योति नायक, नोडल अधिकारी, कृषिरत महिला दिवस ने इस दिन के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ये दिन कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में कृषिरत महिलाओं के शामिल होने तथा उनके उल्लेखनीय योगदानों को सम्मानित करना है और इसी के लिए यह दिन समर्पित है। डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक ने अपने सम्बोधन में महिला किसानों के लिए कौशल आधारित क्षमता निर्माण संबंधी कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया तथा महिला समूहों के निर्माण के महत्व, आवश्यकता और लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि ऐसा करने से महिलाओं की ऋण संबंधी सुविधाओं तक आसानी से पहुंच हो सकती है और वे खेती में अधिक से अधिक भागेदारी निभा सकती हैं। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने महिला किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा खेती के विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। इस कार्यक्रम में 160 से अधिक खेतिहर महिलाओं, संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान द्वारा ओडिशा के नयागढ़ जिले

village cluster (Hariharpur, Godipali, Karada, Katrajhari & Abhimanpur) of Odogaon block, District Nayagarh, Odisha. In this programme, more than 100 farm women participated. Mrs. Sanjukta Sitha, Sarpanch, Hariharpur Gram Panchayat graced the programme as chief guest and emphasized on the importance of soil health and role of farmwomen in taking care of it. The women were sensitized about the Mo Bari initiative taken up by gram panchayat for community composting by women. Demonstration of seed treatment with Rhizobium and Azospirillium was given. They were insisted on usage of mechanical weeding instead of chemical. Farmers were also encouraged to follow crop rotation to ensure conservation of soil nutrients. They were exposed to the concept of conservation tillage insisting on importance for reduction of soil erosion. Importance of soil testing as well as soil health was explained to farm women by Mr. Sanjaya Kumar Behera and Ms. Tapaswini Sahoo. The Chief Guest Mrs. Sanjukta Sitha distributed the soil health card to farm women. Farmers- Scientists Interface was also organized wherein different aspects of soil health were discussed in detail by the ICAR-CIWA team comprising of Dr. L.P. Sahoo, Er. Chaitrali. S. Mhatre, Mrs Tapaswini Sahoo and Mr. S.K.Behera

Kisan Divas observed in ICAR-CIWA

The Institute celebrated Kisan Diwas on 23 December, 2018, as a part of the campaign on Swachhta Pakhwada observed during 16-31 December, 2018. The programme was inaugurated by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. During the celebration, 10 progressive farm women, who have adopted innovative farming practices and done exemplary services in spreading the message of Swachh Bharat Abhiyan were felicitated by the Chief Guest. The awardees also shared their swachhta experiences with their peer groups. About 120 farm women from different villages of Puri district, organized as clusters under the banner of Mahila Vikas Sangathan participated in the programme. The inaugural programme was followed by Farmers-Scientist Interfaces covering three technical sessions viz., Mushroom production, Horticulture, Floriculture, Dairy, Poultry and Fisheries. Smt. Supriya P. Singh from Mahila Vikas Sangathan participated in the programme as Guest of Honour. The programme was coordinated by Dr. Anil Kumar, Principal Scientist, ICAR-CIWA.

Swachh Bharat Abhiyan

Swachhta Hi Sewa (15 September-2 October, 2018) and Swachhta Pakhwada (16 - 31 December, 2018) programmes

के ओदोगांव ब्लॉक के ग्राम समूह (हरिहरपुर, गोदीपाली, करादा, कटराझारी और अभिमानपुर) में 5 दिसम्बर 2018 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। श्रीमती संजुक्ता सीता, सरपंच, हरिहरपुर ग्राम पंचायत ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा मृदा के स्वास्थ्य के महत्व और उसकी देखभाल करने में खेतिहर महिलाओं की भूमिका के महत्व पर बल दिया। महिलाओं को उनके द्वारा सामुदायिक कम्पोस्टीकरण के लिए ग्राम पंचायत द्वारा शुरू की गई मो बारी पहल के बारे में प्रेरित किया गया। राइज़ोबियम तथा एज़ोस्पिरिलम से बीजोपचार का प्रदर्शन किया गया। उनसे कहा गया कि वे खरपतवारों को निकालने के लिए रसायनों के स्थान पर यांत्रिक विधियों का उपयोग करें। मिट्टी के पोषक तत्वों का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए किसानों को फसल क्रम अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। मिट्टी को कटाव को कम करने के लिए संरक्षण जुताई की कल्पना के महत्व के बारे में भी किसानों को समझाया गया। श्री संजय कुमार बेहरा और सुश्री तपस्विनी साहू ने खेतिहर महिलाओं को मिट्टी परीक्षण के साथ-साथ मिट्टी के स्वास्थ्य के महत्व के बारे में भी बताया। मुख्य अतिथि श्रीमती संजुक्ता सीता ने खेतिहर महिलाओं को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किए। इस अवसर पर वैज्ञानिकों के साथ एक चर्चा भी आयोजित की गई जिसमें भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के दल के द्वारा मिट्टी के स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। इस दल में डॉ. एल.पी. साहू, इंजीनियरी चेत्राली, एस. म्हात्रे, श्रीमती तपस्विनी साहू और श्री एस.के. बेहरा शामिल थे।

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में किसान दिवस

संस्थान में 16-31 दिसम्बर 2018 के दौरान आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के एक अंग के रूप में 23 दिसम्बर 2018 को किसान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ.एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने किया। इस आयोजन के दौरान जिन 10 प्रगतशील खेतिहर महिलाओं ने खेती की नई-नई विधियों को अपनाया था और स्वच्छ भारत अभियान के संदेश के प्रचार-प्रसार में अनुकरणीय सेवाएं प्रदान की थीं उन्हें मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। इन पुरस्कार विजेताओं ने अपने साथी समूहों के साथ स्वच्छता संबंधी अपने अनुभव साझा किए। महिला विकास संगठन के बैनर तले क्लस्टर के रूप में संगठित पुरी जिले के विभिन्न गांवों से आई लगभग 120 खेतिहर महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उद्घाटन सत्र के पश्चात किसान-वैज्ञानिक चर्चाएं आयोजित की गईं जिनमें खुम्बी उत्पादन, बागवानी, पुष्पोत्पादन, डेरी, कुक्कुट पालन और मछली पालन आदि जैसे विषयों पर तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। श्रीमती सुप्रिया पी. सिंह, महिला विकास संगठन ने इस कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अनिल कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने किया।

स्वच्छ भारत अभियान

देशभर के अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) केन्द्रों सहित भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की गतिविधियों को शामिल

were organized on a Pan India level including the activities of ICAR-CIWA along with it's AICRP (Home Science) Centres across the Country. Weekly on-campus cleanliness drives were also organized.

Participation of Secretary (DARE) & Director General (ICAR) at Swachhta Pakhwada Celebrations at ICAR-CIWA

Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (DARE) & Director General (ICAR), New Delhi graced the Swachhta Pakhwada programme at ICAR - CIWA on 29 December, 2018. During his address, he appreciated the Institute for its Swacchta activities in its adopted villages, and doing this campaign on Pan-India level, with the help of its All India Coordinated Research Project (Home Science) units in different states. He also urged the Scientists to work for the technological empowerment of Mahila Kisan. The programme was presided over by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. Tree planting, mass cleaning drive and human chain formation were also organized to spread the message of ''Clean India, Green India". During the celebration, the winners of various competitions organized as part of the Swachhta Pakhwada campaign, Vigilance Awareness Week and Hindi Pakhwada, and best performing farm staff were also felicitated by the Chief Guest.

National Productivity Week organized at ICAR-CIWA

ICAR-CIWA, Bhubaneswar organized National Productivity Week from 12 to 18 February, 2019 with the theme "Circular Economy for Productivity and Sustainability". Dr. Santanu Mohanty, Dean College of Agriculture, Bhawanipatna, OUAT inaugurated the programme as the Chief Guest. Dr S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA highlighted the role of ICAR-CIWA to enhance the productivity of farm women and other stakeholders by establishing linkage with various institutes and the field level functionaries. During the seven days programme, various activities like special talks, discussions, essay, quiz, slogan and painting competitions were organized with active participation of scientists, administrative and supporting staffs to ensure capacity building relevant to productivity concept. A lecture was also organized on "Agro waste recycling vis-a-vis management of nutrients via waste management and agro waste recycling through vermicompost and vermiculture. In-house lectures covering various aspects of agriculture and allied fields related to enhancing productivity and ensuring sustainability were delivered by the scientists of ICAR-CIWA. A brainstorming session on "Scope of organic agriculture in India" was also organized along with the guest lecture delivered

करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर स्वच्छता ही सेवा (15 सितम्बर – 2 अक्तूबर 2018) तथा स्वच्छता पखवाड़ा (16-31 दिसम्बर 2018) आयोजित किए गए। परिसर में साप्ताहिक स्वच्छता अभियान भी चलाए गए।

सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भा.कृ.अ.प.) की भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा आयोजनों में भागेदारी

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक(भा.कृ.अ.प.), नई दिल्ली ने 29 दिसम्बर 2018 को भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान द्वारा गोद लिए गांवों में स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित करने और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) की विभिन्न राज्यों में स्थित इकाइयों की सहायता से अखिल भारतीय स्तर पर यह अभियान चलाने के लिए सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिकों से महिला किसानों के प्रौद्योगिकी सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने का भी अनुरोध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने की। 'स्वच्छ भारत, हरित भारत' का संदेश फैलाने के लिए वृक्षारोपण, बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान और मानव श्रृंखला निर्माण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस समारोह के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा अभियान, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और हिन्दी पखवाड़े के एक अंग के रूप में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए और इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ निष्पादन वाले फार्म स्टाफ को भी मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया।

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 'उत्पादकता और टिकाऊपन के लिए परिचालनशील अर्थव्यवस्था' शीर्षक के मुख्य विषय पर 12-18 फरवरी 2019 को राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह का आयोजन किया गया। डॉ. शांतनु मोहंती,अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, भवानीपाटना, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक ने विभिन्न संस्थानों और फील्डस्तर पर कार्य करने वाले कर्मियों के बीच सम्पर्क स्थापित करके खेतिहर महिलाओं तथा अन्य हितधारकों की उत्पादकता बढ़ाने में भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला। सात दिन के इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, प्रशासनिक एवं सहायी स्टाफ की सक्रिय भागेदारी में विशेष वार्ताएं, चर्चाएं, निबंध लेखन, प्रश्न मंच, नारे बनाने और पेंटिंग प्रतिस्पर्धाताओं जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इसके अलावा 'कृषि अपशिष्टों का पुनश्चक्रण बनाम कचरा प्रबंधन के माध्यम से पोषक तत्व प्रबंधन के द्वारा वर्मी कम्पोस्ट और वर्मीकल्चर' विषय पर एक व्याख्यान भी दिया गया। उत्पादकता बढ़ाने और टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए कृषि तथा संबंद्ध क्षेत्रों में विभिन्न पहलुओं पर संस्थान में अन्य व्याख्यान भी दिए गए। ये व्याख्यान मुख्यत: भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के वैज्ञानिकों ने दिए। उद्यमी डॉ.

by Dr. Sushanta Kishore Khuntia, Entrepreneur. Dr. B. Sahoo, Pr. Scientist and Mrs. Ankita Sahoo, Scientist Coordinated the programme.

ICAR-CIWA celebrated National Science Day on 28 February, 2019

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar celebrated "National Science Day" on 28 February, 2019 with the theme "Science for the People and the People for Science". The progamme began with the welcome address by Dr. A. K. Panda, Principal Scientist & Nodal Officer of National Science Day. During his address, the Director ICAR-CIWA, emphasized on the importance of science in the daily life of the people and how science has made life easier for us. He also urged the scientists to be thinkers and work in the front areas of research. Twenty five farmwomen from the Maa Durga Sanskritka Parisad and Pathagar, Khorda and all the staff of ICAR-CIWA participated in the programme. The programme was Coordinated by Dr. A.K. Panda and Er. Chitrali S. Mhatre.

ICAR-CIWA celebrated International Women's Day on 8 March, 2019

The Institute celebrated International Women's Day on 8 March, 2019. Ms. Sneha Mishra, Secretary, AAINA was the Guest of Honour of the day. Live telecast of the address of the Honourable Prime Minister from Varanasi on the occasion of International Women's Day was organised for the benefit of the staff of ICAR-CIWA. On this occasion, a lecture on genesis of international women's day was delivered by Er. Chaitrali S. Mhatre and a lecture on rules, laws and rights for women in India was delivered by Dr. Tanuja, S. Ms. Sneha Mishra, in her address congratulated the Institute for celebrating International Women's day and wished for the bright future of the Institute. She elaborated on the activities of AAINA, a voluntary organization which was established with the vision of working with the persons with disabilities, children and women who are vulnerable sections of the society. Dr. Anil Kumar, Director I/C, ICAR-CIWA and Chief Guest in his address insisted the need for change in the attitude of the women emphasising they should have a go getter attitude and fight for their rights and for equality. The programme was coordinated by Dr. Tanuja, S. (Nodal Officer), Er. Chaitrali S. Mhatre (Co-Nodal Officer), and Er. Subrat Kumar Das (Member).

सुशांत किशोर खुंटिया द्वारा दिए गए अति व्याख्यान के अलावा 'भारत में जैविक कृषि की संभावना' विषय पर एक विचार-मंथन सत्र भी आयोजित हुआ। डॉ. बी. साहू, प्रधान वैज्ञानिक तथा श्रीमती अंकित साहू, वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में 28 फरवरी 2019 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 28 फरवरी 2019 को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया गया। इसका मुख्य विषय लोगों के लिए विज्ञान एवं विज्ञान के लिए लोग' था। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. ए.के. पांडा, प्रधान वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के नोडल अधिकारी के स्वागत भाषण से हुआ। अपने संबोधन में निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने लोगों के दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व पर बल देते हुए यह बताया कि विज्ञान ने किस प्रकार हमारा जीवन सरल बना दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों से चिंतक बनने तथा अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में कार्य करने की अपील की। मां दुर्गा संस्कृतिका परिषद तथा पथागार, खोर्दा से आई 25 खेतिहर महिलाओं तथा भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. ए.के. पांडा और इंजीनियर चित्राली एस. म्हात्रे ने किया।

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में 8 मार्च 2019 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान द्वारा 8 मार्च 2019 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। सुश्री स्नेहा मिश्रा, सचिव, एएआईएनए इस अवसर पर सम्मानीय अतिथि थीं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वाराणसी से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सम्बोधन का सजीव टेलीकास्ट संस्थान के स्टाफ के लाभ के लिए किया गया। इस अवसर पर इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन के शुभारंभ पर एक व्याख्यान दिया तथा डॉ. तनुजा एस. ने महिलाओं के लिए कानून व उनके अधिकारों पर भी एक व्याख्यान दिया। सुश्री स्नेहा मिश्रा ने अपने सम्बोधन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित करने के लिए बधाई दी तथा संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने समाज के महत्वपूर्ण अंग, दिव्यांगों, बच्चों तथा महिलाओं के साथ कार्य करने की भावना से युक्त स्वयंसेवी संगठन एएआईएनए की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. अनिल कुमार, प्रभारी निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान तथा इस समारोह के मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में महिलाओं की प्रवृत्ति में होने वाले परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि उनके स्वभाव में बदलाव आना चाहिए तथा उन्हें अपने अधिकारों और समानता के लिए संघर्ष करना चाहिए। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. तनुजा एस. (नोडल अधिकारी), इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे (सह नोडल अधिकारी) और इंजीनियर सुब्रत कुमार दास (सदस्य) ने किया।

Technology Demonstration Mela and Scientists-Farmers Interface on the occasion of Foundation Day celebration

Technology Demonstration Mela and Scientists-Farmers Interface were organized at ICAR-CIWA on the occasion of Foundation Day celebration on 23 March, 2019. The function was graced by Shri Narendra Singh Rathore, Hon'ble DDG (Agricultural Education), ICAR, New Delhi as Chief Guest and Prof. Padmaja Mishra, Vice Chancellor, Rama Devi Women University, Bhubaneswar as Guest of Honour. Dr. Rathore during his address signified the potential role of ICAR-CIWA in mainstreaming women farmers for enhancing their empowerment. Prof. P. Mishra highlighted the need of women empowerment in achieving economic stability, sustainability and profitability. The function was attended by 200 farm women from the adopted villages covering Puri, Cuttack and Jagatsinghpur districts of Odisha. The Technology Demonstration Mela offered women farmers a platform to know about various drudgery reducing women friendly small tools and equipments, technologies in poultry production, horticulture and fisheries. The Scientists-Farmers Interface organized during the event enabled the women farmers to clarify their farming related queries by a team of scientific and technical experts from the Institute. On this occasion, some of the progressive women farmers were also felicitated for their outstanding contributions in field of agriculture, horticulture, dairy farming, poultry, aquaculture, mushroom farming and bee-keeping. The formal vote of thanks was proposed by Dr. Sabita Mishra, Principal Scientist and Nodal Officer, Foundation Day of ICAR-CIWA. The Technology Demonstration Mela was successfully co-ordinated by Er. Chaitrali S. Mhatre, Scientist & PI, AICRP on Ergonomics and Safety in Agriculture.

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला एवं वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में 23 मार्च 2019 को संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेले व वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा का आयोजन किया गया। श्री नरेन्द्र सिंह राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर समारोह की शोभा बढ़ाई तथा प्रो. पदमजा मिश्रा, कुलपति, रामा देवी महिला विश्ववविद्यालय, भुवनेश्वर ने इस समारोह में सम्मानीय अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ. राठौर ने अपने व्याख्यान में महिला किसानों के सशक्तिकरण के लिए उन्हें मुख्य धारा में लाने में भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की सक्षम भूमिका का विशेष उल्लेख किया। प्रो. पी. मिश्रा ने आर्थिक स्थिरता, टिकाऊपन तथा लाभ प्राप्त करने में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में ओडिशा के पुरी, कटक और जगत सिंहपुर जिलों के संस्थान द्वारा गोद लिए गांवों से आई लगभग 200 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेले से खेतिहर महिलाओं को उनकी मेहनत को कम करने वाले महिलाओं के लिए अनुकूल छोटे औजारों व उपस्करों, कुक्कुट उत्पादन, बागवानी और मछली पालन से संबंधित तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर सुलभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित की गई वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा से खेतिहर महिलाओं को अपनी शंकाओं का समाधान करने का मौका भी मिला। उनकी इन शंकाओं का समाधान संस्थान के वैज्ञानिक एवं तकनीकी विशेषज्ञों के दल द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुछ प्रगतशील खेतिहर महिलाओं को कृषि, बागवानी, डेरी पालन, कुक्कुटपालन, जलजंतु पालन, खुम्बी की खेती और मधुमक्खी पालन के क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदानों के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के स्थापना दिवस की नोडल अधिकारी एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सबिता मिश्रा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। इस प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेले का इंजीनियर चेत्राली एस. म्हात्रे, वैज्ञानिक एवं प्रधान अन्वेषक, कृषि में बलविज्ञान एवं सुरक्षा पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा सफल्तापूर्वक समन्वयन किया गया।

TRAINING / EXTENSION ACTIVITIES/ OUTREACH ACTIVITIES TECHNOLOGY TRANSFER

प्रशिक्षण/विस्तार गतिविधियां/आउटरीच गतिविधियां/ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

Training / Extension Activities/ Outreach Activities/ Technology Transfer

Name of Training	Venue	Date	No of participants	Coordianted by
Skill training on preparation of value added products and by products to SHG fisherwomen groups	Pentakota Village, Puri	10 October, 2018	55	Dr. Tanuja, S. Dr. J. Charles Jeeva
Training cum demonstration on Integrated Nutrient Management and off year floral induction in mango	Baskitala village, Mayurbhanj	27 October, 2018	50	Smt. Ankita Sahu
Skill training on preparation of value added products and by products to master trainers and SHG fisherwomen groups from Balidia Village Astaranga	ICAR-CIWA	15 November, 2018	21	Dr. Tanuja, S. Dr. J. Charles Jeeva

प्रशिक्षण/विस्तार गतिविधियां/आउटरीच गतिविधियां/प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

प्रशिक्षण का विषय	स्थान	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	समन्वयक
स्वयं सेवी सहायता समूह मछुआरिन दलों को मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने पर कौशल प्रशिक्षण	पेंटाकोटा गांव, पुरी	10 अक्तूबर 2018	55	डॉ. तनुजा एस. डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
समेकित पोषक तत्व प्रबंध तथा आम में वर्ष से इतर पुष्पन प्रेरित करने पर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन	बस्कीताला गांव, मयूरभंज	27 अक्तूबर 2018	50	श्रीमती अंकिता साहू
बालिदिया गांव अस्टारंगा से आए स्वयं सहायता समूह मछुआरिन दलों तथा मास्टर प्रशिक्षकों को मूल्यवर्धित उत्पाद एवं उपोत्पाद तैयार करने पर कौशल प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प. - सीआईडब्ल्यूए	15 नवम्बर 2018	21	डॉ. तनुजा एस. डॉ. जे. चार्ल्स जीवा

Name of Training	Venue	Date	No of participants	Coordianted by
Skill training on preparation of value added products and by products to master trainers and SHG fisherwomen groups from Balidia Village Astaranga	ICAR-CIWA	17 November, 2018	21	Dr. Tanuja, S. Dr. J. Charles Jeeva
Scientists-Farmers Interface Meetings under Aspirational District Development programme	Naringi, Dhimirijholi and Andiragada villages in Mohana block , Gajapati	14 December, 2018.	150	Dr. Biswanath Sahoo Dr. J. Charles Jeeva Ms. Gayatri Moharana Smt. Ankita Sahu Shri. Subrat Kr. Das
Focus Group Discussion with Women SHG members at Kanamana village, Astaranga	Kanamana village, Astaranga	18 December, 2018	25	Dr. Tanuja, S. Dr. J. Charles Jeeva
Skill upgradation programme on improved poultry rearing practices for additional income generation and healthy living	Nuasahi, Puri	21 December, 2018	40	Dr.A. K. Panda Dr. J. Charles Jeeva Dr. D.N.Sadangi
Skill upgradation programme on improved poultry rearing practices for additional income generation and healthy living	Bounshaput, Khordha	24 December, 2018	40	Dr.A. K. Panda Dr. J. Charles Jeeva Dr. D.N.Sadangi
Farmers -Scientists Interface	Jagannathpur, Phulanakhara	17 January, 2019	43	Dr. B. Sahoo Dr. Anil Kumar Dr.D.N. Sadangi
Farmers -Scientists Interface	Kuanpada, Gop, Puri	24 Januray, 2019	50	Dr. B. Sahoo Dr. Anil Kumar Dr.D.N. Sadangi
Farmers -Scientists Interface	Khalgaon, Jagatsinghpur	25 January, 2019	113	Dr. B. Sahoo Dr. Anil Kumar Dr.D.N. Sadangi
Capacity building programme on "Application of Arka Mango Special (AMS) Micronutrient"	Bastikala village, Mayurbhanj	31 January, 2019	60	Smt. Ankita Sahu Er. Chaitrali S. Mhatre Shri. Manoranjan Prusty
Seminar on ''Women in Agriculture" during the Krishi Kumbh, 2019	Motihari, Bihar	9-11 February, 2019	500	Dr. S.K.Srivastava Dr. Lipi Das Dr. Anil Kumar Dr. Tanuja, S Ms. Gayatri Moharana Shri. Jairam Biswal
Skill training on preparation of value added products and by products to master trainers of Kanamana village, Astarnga	ICAR-CIWA	15 February, 2019	15	Dr. Tanuja, S. Dr. J. Charles Jeeva
Skill training on preparation of value added products and by products to master trainers of Kanamana village, Astarnga	ICAR-CIWA	23 February, 2019	15	Dr. Tanuja, S. Dr. J. Charles Jeeva
Scientists-Farmers Interface Meetings	Naringi, Dhimirijholi and Andiragada villages in Mohana block, gajapati	12 March, 2019	150	Dr. J. Charles Jeeva Smt. Ankita Sahu Shri. Manoranjan Prusty

प्रशिक्षण का विषय	स्थान	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	समन्वयक
बालिदिया गांव अस्टारंगा से आए स्वयं सहायता समूह मछुआरिन दलों तथा मास्टर प्रशिक्षकों को मूल्यवर्धित उत्पाद एवं उपोत्पाद तैयार करने पर कौशल प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प. - सीआईडब्ल्यूए	17 नवम्बर 2018	21	डॉ. तनुजा एस. डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
महत्वाकांक्षी जिला विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वैज्ञानिक-किसान परिचर्चा बैठकें	गलपाटनी के मोहाना ब्लॉक में नारिंगी, धिमीरीझोली और अंदिरागडा गांव	14 दिसम्बर, 2018.	150	डॉ. बिश्वनाथ साहू डॉ. जे. चार्ल्स जीवा सुश्री गायत्री मोहराना श्रीमती अंकिता साहू श्री सुब्रत कुमार दास
कानामाना गांव, अस्टरंगा में महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ मुख्य विषय पर केन्द्रित सामूहिक चर्चा	कानामाना गांव, अस्टरंगा	18 दिसम्बर , 2018	25	डॉ. तनुजा एस. डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
अतिरिक्त आय सृजन तथा स्वस्थ जीवन के लिए उन्नत कुक्कुट पालन की विधियों पर कौशल उन्नयन कार्यक्रम	नुआसाही, पुरी	21 दिसम्बर, 2018	40	डॉ. ए.के. पाण्डा डॉ. जे. चार्ल्स जीवा डॉ. डी.एन. सदांगी
अतिरिक्त आय सृजन तथा स्वस्थ जीवन के लिए उन्नत कुक्कुट पालन की विधियों पर कौशल उन्नयन कार्यक्रम	बौंशापुट, खोर्धा	24 दिसम्बर, 2018	40	डॉ. ए.के. पाण्डा डॉ. जे. चार्ल्स जीवा डॉ. डी.एन. सदांगी
कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा	जगन्नाथपुर, फुलनाखारा	17 जनवरी, 2019	43	डॉ. बी. साहू डॉ. अनिल कुमार डॉ. डी.एन. सदांगी
कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा	कुआनपाड़ा, गोप, पुरी	24 जनवरी, 2019	50	डॉ. बी. साहू डॉ. अनिल कुमार डॉ. डी.एन. सदांगी
कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा	खालगांव, जगतसिंहपुर	25 जनवरी, 2019	113	डॉ. बी. साहू डॉ. अनिल कुमार डॉ. डी.एन. सदांगी
'अर्का मैंगो स्पेशल (एएमएस) सूक्ष्म पोषक तत्व का अनुप्रयोग' विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	बस्तीकला गांव, मयूरभंज	31 जनवरी, 2019	60	श्रीमती अंकिता साहू इं. चैत्राली एस. म्हात्रे श्री मनोरंजन प्रुस्ती
कृषि कुम्भ 2019 के दौरान 'कृषिरत महिलाओं' पर सेमिनार	मोतीहारी, बिहार	9-11 फरवरी, 2019	500	डॉ. एस.के. श्रीवास्तव डॉ. लिपि दास डॉ. अनिल कुमार डॉ. तनुजा एस. सुश्री गायत्री मोहराना श्री जयराम बिस्वाल
कानामाना गांव, अस्टरंगा के मास्टर प्रशिक्षकों को मूल्य वर्धित उत्पाद एवं उपोत्पाद तैयार करने पर कौशिल प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए	15 फरवरी, 2019	15	डॉ. तनुजा एस. डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
कानामाना गांव, अस्टरंगा के मास्टर प्रशिक्षकों को मूल्य वर्धित उत्पाद एवं उपोत्पाद तैयार करने पर कौशिल प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए	23 फरवरी, 2019	15	डॉ. तनुजा एस. डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा बैठकें	गजपति के मोहाना ब्लॉक के नारिंगी, धीमीरीझोली और अंदिरगाड़ा गांव	12 मार्च, 2019	150	डॉ. जे. चार्ल्स जीवा श्रीमती अंकिता साहू श्री मनोरंजन प्रुस्ती

Name of Training	Venue	Date	No of participants	Coordianted by
"Capacity Building of Farm Women" under the Capacity Building and Adoption of Technology Programme of NABARD	ICAR-CIWA	27-28 February, 2019	20 (Maa Durga Sanskrutika Parisada & Pathagar from Khurda)	Dr. A. K Panda Er. Chaitrali S. Mhatre
	ICAR-CIWA	01-02 March, 2019	20 (SHRISTI NGO from Keonjhar)	Dr. Anil Kumar Smt. Ankita Sahu
	ICAR-CIWA	11-12 March, 2019	20 (Mukti Social Service Organisation from Puri)	Dr. Sabita Mishra Dr. Ananta Sarkar
	ICAR-CIWA	13-14 March, 2019	20 (SECURE from Mayurbhanj)	Dr. Lipi Das Ms. Gayatri Moharana
	ICAR-CIWA	15-16 March, 2019	20 (Joy Bharti Sathi Samaja from Kendrapara)	Dr. Biswanath Sahoo Dr. S. Tanuja
	ICAR-CIWA	22-23 March, 2019	20 (WORD from Keonjhar)	Dr. J. Charles Jeeva Dr. A. K. Panda

प्रशिक्षण का विषय	स्थान	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	समन्वयक
'नाबार्ड' के क्षमता निर्माण एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम को अपनाने के अंतर्गत 'खेतिहर महिलाओं का क्षमता निर्माण'	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए	27-28 फरवरी, 2019	20 (मां दुर्गा संस्कृतिका परिषद एवं पथागार, खुर्दा	डॉ. ए.के. पांडा इं. चेत्राली एस. म्हात्रे
	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए	01-02 मार्च, 2019	20 (क्योझार का श्रृष्टि स्वयं सेवी संगठन)	डॉ. अनिल कुमार श्रीमती अंकिता साहू
	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए	11-12 मार्च, 2019	20 (पुरी का मुक्ति सोसियल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन)	डॉ. सबिता मिश्रा डॉ. अनन्त सरकार
	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए	13-14 मार्च, 2019	20 (मयूरभंज का 'सिक्योर')	डॉ. लिपि दास सुश्री गायत्री मोहराना
	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए	15-16 मार्च, 2019	20 (केन्द्रपाड़ा का जय भारती साथी समाज	डॉ. बिश्वनाथ साहू डॉ. एस. तनुजा
	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए	22-23 मार्च, 2019	20 (क्योझार का 'वर्ड')	डॉ. जे. चार्ल्स जीवा डॉ. ए.के. पांडा

Empowering the women farmers from Uttar Pradesh through training cum capacity building programme

Women farmers from Uttar Pradesh were trained at ICAR-CIWA during a training programme entitled "Capacity Building of Farming Women" from 17-21 January, 2019. The programme was sponsored by State Institute for Management of Agriculture, Lucknow, Uttar Pradesh. The training was attended by 18 participants comprising of 14 women farmers and 4 State Extension functionaries from UP. The objective of the programme was to improve the professional competence, upgrade the knowledge and develop technical skills of progressive farmwomen, extension workers and stakeholders working for empowerment of women in agriculture of Uttar Pradesh. The program was designed in such a manner that the women farmers got an all round exposure in various agriculture and allied fields in the form of class room teaching, group discussions, interactive sessions, exposure visit, field visit, and demonstrations. The capacity building programme comprised of 16 theory classes and 1 exposure visit covering all the agriculture and allied subjects viz., seed production, women friendly horticultural interventions, dairy farming, family poultry, aquaculture and fish processing, quality fodder production, family farming, occupational health hazards at workplace, women friendly farm tools and equipments, family resource management, food and nutrition security, govt. schemes and policies for farm women, gender analysis tools and farmer producer organization: concepts & policies. The valedictory function was organized on 21 January, 2019, which was graced by Dr. S. K. Srivastava, Director ICAR-CIWA as Chief Guest. The entire training was successfully accomplished by a team of scientific and technical staff comprising of Dr. Laxmipriya Sahoo, Dr. Jyoti Nayak, Ms. Ankita Sahu, Er. Subrat K. Das and Shri B.C. Sahu

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश से आई खेतिहर महिलाओं का सशक्तिकरण

उत्तर प्रदेश से आई खेतिहर महिलाओं को 17-21 जनवरी 2019 के दौरान 'खेतिहर महिलाओं का क्षमता निर्माण' शीर्षक के प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम स्टेट इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट ऑफ एग्रीकल्चर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण में 18 प्रतिभागी थे जिनमें उत्तर प्रदेश की 14 खेतिहर महिलाएं और 4 राज्य विस्तार कर्मी शामिल थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कार्यरत प्रगतशील खेतिहर महिलाओं, विस्तार कर्मियों तथा अन्य हितधारकों की व्यावसायिक क्षमता को सुधारना, उनके ज्ञान का उन्नयन करना तथा उनमें तकनीकी कौशिल विकसित करना था। इस कार्यक्रम को इस प्रकार तैयार किया गया था कि महिला किसानों को कक्षाओं में शिक्षण, सामूहिक चर्चा, पारस्परिक चर्चा सत्रों, सम्पर्क भ्रमणों, प्रक्षेत्र भ्रमणों तथा कृषि एवं अन्य सभी सम्बद्ध विषयों में सकल प्रोन्नति प्रदान की जा सके। क्षमता निर्माण संबंधी इस कार्यक्रम में 16 सैद्धांतिक कक्षाएं तथा एक सम्पर्क भ्रमण आयोजित किए गए। इनमें बीजोत्पादन, महिलाओं के लिए अनुकूल बागवानी संबंधी तकनीकों, डेरी पालन, पारिवारिक कुक्कुटपालन, जलजंतुपालन, मछली कार्य स्थल पर विभिन्न कार्य करने, महिलाओं के लिए अनुकूल खेती संबंधी औजार एवं उपस्कर, पारिवारिक संसाधन प्रबंधन, खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षा, खेतिहर महिलाओं के लिए सरकारी योजनाएं और नीतियां, लिंग विश्लेषण की युक्तियां एवं कृषक उत्पादन संगठन : संकल्पनाएं एवं नीतियां जैसे कृषि तथा इससे संबंधित सभी विषयों को शामिल किया गया था। दिनांक 21 जनवरी 2019 को समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान मुख्य अतिथि थे। ये सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान के वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ के दल द्वारा पूरा किया गया जिसमें डॉ. लक्ष्मी प्रिया साहू, डॉ. ज्योति नायक, सुश्री अंकिता साहू, इंजी. सुब्रत के. दास और श्री बी.सी. साहू शामिल थे।

Aspirational District Development programme

Scientists-Farmers Interfaces in Aspirational District

Scientists-Farmers Interface Meetings were organized at Naringi, Dhimirijholi and Andiragada villages in Mohana block of Gajapati district on 14 December, 2018. The interface was organized to sensitize the farm families about the objectives of the aspirational district development programme, need to assess the gender concerns in accessing productive resources and extension services among the farm families, and on the latest technologies in agriculture and allied sectors. Based on need assessment, the following interventions such as promotion of nutrition gardens, promotion of backyard poultry, advisory services for animal production and health care, popularization of women-friendly drudgery reducing farm tools and entrepreneurship development through secondary agriculture were proposed to be taken up.

महत्वाकांक्षी जिला विकास कार्यक्रम

महत्वाकांक्षी जिले में वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चाएं

गजपति जिले के मोहाना ब्लॉक के नारिंगी, धीमरीझोली और अंदिरागाडा गांवों में 14 दिसम्बर 2018 को वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा बैठकों का आयोजन हुआ। इस बैठक का आयोजन किसान परिवारों को महत्वाकांक्षी जिला विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों, उत्पादनशील संसाधनों व किसान परिवारों की विस्तार सेवाओं तक पहुंच में आने वाली लिंग संबंधी चिंताओं के मूल्यांकन की आवश्यकता के बारे में सचेत बनाने के लिए किया गया था। आवश्यकताओं के मूल्यांकन के आधार पर कुछ उपाय सुझाए गए जैसे पोषणिक उद्यानों को बढ़ावा देना, घर के आस-पास कुक्कुट पालन को बढ़ावा देना, पशु उत्पादन एवं स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराना और द्वितीयक कृषि के माध्यम से उद्यमशीलता के विकास के साथ-साथ खेती संबंधी औजारों के उपयोग में खेतिहर महिलाओं के परिश्रम को कम किया जा सके, ऐसी युक्तियों को लोकप्रिय बनाना।

The visit was lead by Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, along with the team of Scientists and technical staff from ICAR-CIWA consisting of Dr. Biswanath Sahoo, Dr. J. Charles Jeeva, Ms. Gayatri Moharana, Smt. Ankita Sahu and Shri. Subrat Kr. Das. The plan of action in this aspirational district was also discussed by Dr. S.K. Srivastava in the Scientific Advisory Committee meeting of KVK, R. Udayagiri, to implement the technological interventions in convergence mode.

इस कार्यक्रम का नेतृत्व भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के निदेशक डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने किया था जिनके दल में संस्थान का वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ शामिल था। इस दल के प्रमुख सदस्य थे डॉ. बिश्वनाथ साहू, डॉ. जे. चार्ल्स जीवा, सुश्री गायत्री मोहराना, श्रीमती अंकिता साहू और श्री सुब्रत कुमार दास। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने कृषि विज्ञान केन्द्र, आर. उदयगिरी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में इस महत्वाकांक्षी जिले में लागू की जाने वाली कार्य योजना पर भी चर्चा की, ताकि परस्पर सहयोग से प्रौद्योगिकी उपायों को लागू किया जा सके।

Capacity Building of Tribal Farm Families in Aspirational District

A team of Scientists and Technical Staff from ICAR-CIWA made a visit to Gajapati on 12 March, 2019, to organize capacity building programmes for tribal farm families. Scientists-Farmers Interface Meetings were organized at Naringi, Dhimirijholi and Andiragada villages in Mohana block. The interfaces were organized to sensitize the farm families about the plan of action to undertake research and extension activities, and for capacity building among the tribal farm families on the latest technologies in agriculture and allied sectors. Awareness,

महत्वाकांक्षी जिले में आदिवासी कृषक परिवारों का क्षमता निर्माण

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ के एक दल ने 12 मार्च 2019 को आदिवासी कृषक परिवारों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया। मोहाना ब्लॉक के नारिंगी, धीमरिझोली और अंदिरागाडा गांवों में वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों का आयोजन अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को चलाने के लिए कार्य योजना के बारे में कृषक परिवारों को सचेत करने तथा आदिवासी कृषक परिवारों में कृषि तथा सम्बद्ध विषयों से संबंधित नवीनतम प्रौद्योगिकियों के बारे में क्षमता निर्माण करने के लिए किया गया था। इन बैठकों में पोषणिक उद्यानों, श्रम को कम

knowledge and skill were imparted on nutrition gardens, women-friendly drudgery reducing farm tools and entrepreneurship development through secondary agriculture. Capacity of farm families were built on scientific method of vegetable cultivation for increased productivity and income enhancement. Further, critical inputs such as seeds of improved varieties of summer vegetables, planting materials of papaya, micronutrients, sprayers and drudgery reducing minor farm tools were also distributed to all the farm families in these three tribal villages.

Demonstration of drudgery reducing minor farm tools

करने के लिए महिलाओं के लिए उपयुक्त खेती संबंधी औजारों तथा द्वितीयक कृषि के माध्यम से उद्यमशीलता के विकास पर जागरूकता लाने, ज्ञान प्रदान करने और प्रतिभागियों को कौशल से सम्पन्न करने के उद्देश्य से किया गया था। कृषक परिवारों को सब्जियों की खेती की वैज्ञानिक विधियों के ज्ञान से सम्पन्न किया गया, ताकि उनकी कृषि उत्पादकता और आमदनी में वृद्धि हो सके। इसके अलावा इन तीन आदिवासी गांवों के कृषक परिवारों के बीच ग्रीष्मकालीन सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीज, पपीते की रोपण सामग्री, सूक्ष्म पोषक तत्व, छिड़काव यंत्र तथा परिश्रम को कम करने वाले खेती से जुड़े छोटे औजार भी वितरित किए गए।

Training/ Seminar/ Symposium attended

Sl. No.	Programme (Conference/ Workshop/ Training/ Meeting)	Venue	Date	Attended by
1	Asian Regional conference on Goats (ARCG-2018)	Amity University, Jaipur	22-26 October, 2018	Dr. B. Sahoo
2	XI Biennial Conference of Animal Nutrition Association (ANACON 2018)	Bihar Veterinary College, Patna	19-21 November, 2018	Dr. B. Sahoo
3	Winter School on "Entrepreneurship Development through Value Addition of Underutilized Crops"	College of Agricultural Engineering & Technology, OUAT, Bhubaneswar	15 November-5 December, 2018	Smt. Ankita Sahu
4	National Conference of ARSSF on "Revisiting Agricultural Research and Monitoring System for Developing Innovations: To Meet Newer Challenges"	ICAR-CIWA	24-25 November, 2018	All Scientists
5	World Brackishwater Aquaculture Conference (Braqcon 2019)	ICAR-CIBA, Chennai	20-25 January, 2019	Dr. Tanuja, S.
6	Conference on Farmers First for Conserving Soil and Water Resources in Eastern Regions	ICAR-IISWC, RC, Koraput	6-8 February, 2019	Smt. Ankita Sahu
7	XXIII Biennial Workshop of AICRP (Home Science)	MPUAT, Udaipur	15-16 February, 2019	Dr. S.K. Srivastava Dr. Lipi Das Dr. Jyoti Nayak Dr. J. Charles Jeeva Dr. Ananta Sarkar Ms. G. Moharana Er. C. S. Mhatre
8	National Workshop on Aquaculture as a Livelihood Option for Tribal Farmers of India	ICAR-CIFA, Bhubaneswar	February 18-19, 2019	Dr. J. Charles Jeeva
9	International Conference on "Education, Humanities, Business Management, Engineering, Sciences, Agro-ecology EHBSA-2019"	Regional Institute of Education, Bhubaneswar	9 March, 2019	Dr. Tanuja, S. Ms. G. Moharana Er. C. S. Mhatre Smt. Ankita Sahu

प्रशिक्षण/सेमिनार/सिम्पोजियम में भागेदारी

क्र.सं.	कार्यक्रम (सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण/बैठक)	स्थान	तिथि	प्रतिभागी का नाम
1	बकरियों पर एशियाई क्षेत्रीय सम्मेलन (एआरसीजी- 2018)	अमेठी विश्वविद्यालय, जयपुर	22-26 अक्तूबर, 2018	डॉ. बी. साहू
2	एनिमल न्यूट्रीशनल एसोसिएशन का 11वां द्विवार्षिक सम्मेलन (एएनएसीओएन 2018)	बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय, पटना	19-21 नवम्बर, 2018	डॉ. बी. साहू
3	'अभी तक कम उपयोग में आई फसलों के मूल्यवर्धन के माध्यम से उद्यमशीलता विकास' विषय पर शरदकालीन प्रशिक्षण	कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	15 नवम्बर-5 दिसम्बर, 2018	श्रीमती अंकिता साहू
4	'नवोन्मेषों के विकास के लिए कृषि अनुसंधान एवं निगरानी प्रणाली का पुनरावलोकन' विषय पर एआरएसएसएफ का राष्ट्रीय सम्मेलन	भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान	24-25 नवम्बर, 2018	सभी वैज्ञानिक
5	वैश्विक खारा जल जलजंतुपालन सम्मेलन (ब्रेक्वॉन 2019	भा.कृ.अ.प.-सीआईबीए, चैन्नई	20-25 जनवरी, 2019	डॉ. तनुजा एस.
6	पूर्वी क्षेत्रों में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण हेतु किसान प्रथम पर सम्मेलन	भा.कृ.अ.प.-आईआईएसडब्ल्यूसी, क्षेत्रीय केन्द्र, कोरापुट	6-8 फरवरी, 2019	श्रीमती अंकिता साहू
7	अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) की 23वीं द्विवार्षिक कार्यशाला	महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	15-16 फरवरी, 2019	डॉ. एस.के. श्रीवास्तव डॉ. लिपि दास डॉ. ज्योति नायक डॉ. जय चार्ल्स जीवा डॉ. अनन्त सरकार सुश्री जी. मोहराना इंजी. सी.एस. म्हात्रे
8	भारत के आदिवासी किसानों के आजीविका विकल्प के रूप में जलजंतुपालन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	भा.कृ.अ.प.-सीआईएफए, भुवनेश्वर	18-19 फरवरी 2019	डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
9	'शिक्षा, मानव विज्ञान, व्यापार प्रबंध, अभियांत्रिकी, विज्ञान, कृषि पारिस्थितिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - ईएचबीएसए-2019'	क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर	9 मार्च, 2019	डॉ. तनुजा एस. सुश्री जी.मोहराना इंजी.सी.एस. म्हात्रे श्रीमती अंकिता साहू

Exhibitions organised

Sl. No.	Name of the event	Venue	Date	Team
1	65th All India Cooperative Week organized by Odisha Fisheries Cooperative Corporation Ltd (FISHFED), Bhubaneshwar	Rabindra Mandap, Bhubaneswar	20 November, 2018	Dr. Tanuja, S. Shri S.K. Behera
2	Conference on Farmers First for Conserving Soil and Water Resources in Eastern Regions	ICAR-IISWC, RC, Koraput	06-08 February, 2019	Smt. Ankita Sahu Er. P.K. Rout Er. S. K. Das
3	National Workshop on 'Aquaculture as Livelihood Option for Tribal Farmers of India'	ICAR-Central Institute of Freshwater Aquaculture, Bhubaneswar	18-19 February, 2019	Dr. Tanuja, S. Shri. B.C.Behera Smt. Usharani Maradana

आयोजित प्रदर्शनियां

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	स्था	तिथि	दल
1	ओडिशा मात्स्यकी सहकारी निगम लिमिटेड (एफआईएसएचएफईडी) भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 65वां अखिल भारतीय सहकारिता सप्ताह	रबिन्द्र मंडप, भुवनेश्वर	20 नवम्बर, 2018	डॉ. तनुजा एस. श्री एस.के. बेहरा
2	पूर्वी क्षेत्रों में मृदा एवं जल संसाधनों के संरक्षण के लिए कृषक प्रथम विषय पर सम्मेलन	भा.कृ.अ.प.-आईआईएसडब्ल्यूसी, क्षेत्रीय केन्द्र, कोरापुट	06-08 फरवरी, 2019	श्रीमती अंकिता साहू इंजी. पी.के. राउत इंजी. एस.के. दास
3	'भारत के आदिवासी किसानों के लिए आजीविका के विकल्प के रूप में जलजंतुपालन' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला	भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय मीठा जल जलजंतुपालन संस्थान, भुवनेश्वर	18-19 फरवरी, 2019	डॉ. तनुजा एस. श्री बी.सी. बेहरा श्रीमती उषा रानी मरदाना

Awards and Recognition

Name of Scientists	Awards and Recognition
Dr. Tanuja, S.	Best poster award for the paper on "Fish Silage: A Prospective Poultry Feed Ingredient and Organic Manure" at the World Brackishwater Aquaculture Conference (Braqcon 2019) from 22 to 25 January, 2019, at ICAR-CIBA, Chennai
Smt. Ankita Sahu	Best paper presentation in oral category award for the paper “Good Agricultural Practices in Mango: Knowledge and Perception of Women Farmers" at International Conference on Education, Humanities, Business Management, Engineering Sciences, Agro-ecology (EHBSA-2019) on 9 March, 2019 at Regional Institute of Education, Bhubaneswar

पुरस्कार एवं सम्मान

वैज्ञानिक का नाम	पुरस्कार एवं सम्मान
डॉ. तनुजा एस.	भा.कृ.अ.प.-सीआईबीए, चैन्नई में 22 से 25 जनवरी 2019 को आयोजित वैश्विक खारा जल जलजंतुपालन सम्मेलन (ब्रेक्वान 2019) में ‘मछली साइलेज : एक संभावना जनक कुक्कुट आहार घटक एवं जैविक खाद’ शीर्षक के शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार
श्रीमती अंकिता साहू	क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भुवनेश्वर में 9 मार्च 2019 को ‘शिक्षा, मानव विज्ञान, व्यापार प्रबंध, अभियांत्रिकी, विज्ञान, कृषि पारिस्थितिकी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - ईएचबीएसए-2019’ में ‘आम के लिए श्रेष्ठ कृषि विधियां : महिला किसानों का ज्ञान एवं अवधारणा’ शीर्षक पर मौखिक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुतीकरण पुरस्कार

Distinguished visitors

1	Dr. P.K. Agarwal, ADG (NASF), ICAR, New Delhi	25 November, 2018
2	Dr. Trilochan Mohapata, Director General, ICAR and Secretary, DARE, New Delhi	29 December, 2018
3	Shri. Gajendra Singh Sekhawat, Hon’ble Minister of State for Agriculture & Farmers’ Welfare, Govt. of India, New Delhi	24 February, 2019
4	Mr. P. K. Swain, Jt. Secretary (Marketing), Dept. of Agriculture & Cooperation, Govt. of India, New Delhi	24 February, 2019
5	Shri. Radha Mohan Singh, Hon’ble Union Minister of Agriculture and Farmers’ Welfare, Govt of India, New Delhi	26 February, 2019
6	Dr. N.S. Rathore, Deputy Director General, Agricultural Education, ICAR, New Delhi	23 March, 2019
7.	Prof. Padmaja Mishra, Vice Chancellor, Rama Devi University, Bhubaneswar	23 March, 2019

विशिष्ट अतिथि

1	डॉ. पी.के. अग्रवाल, सहायक महानिदेशक (एनएए-सएफ), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली	25 नवम्बर, 2018
2	डॉ. त्रिलोचन महापात्र, महानिदेशक, भा.कृ.अ.प. और सचिव, डेयरडेयर, नई दिल्ली	29 दिसम्बर, 2018
3	श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली	24 फरवरी, 2019
4	श्री पी.के. स्वैन, संयुक्त सचिव (विपणन), कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली	24 फरवरी, 2019
5	श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली	26 फरवरी, 2019
6	डॉ. एन.एस. राठौर, उप महानिदेशक, कृषि शिक्षा, भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली	23 मार्च, 2019
7.	प्रो. पदमजा मिश्रा, कुलपति, रामा देवी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	23 मार्च, 2019

Human Resource Development

The activities carried out include; compilation of skill deficiency areas and training needs of all the Scientific, Technical and Administrative Categories of Staff, preparation of Annual Training Plan (ATP) and its implementation, and periodical reporting of HRD activities to the ADG (HRM), ICAR.

Human Resource Development- A. Physical targets and achievements

S. No.	Category	Total No. of Employees	No. of trainings planned for each category during 2018-19 as per ATP	Total No. of employees undergone training during 2018-19	% realization of trainings planned during 2018-19
1	2	3	4	5	5/4 x 100 = 8
1	Scientist	14	3	4	133.33
2	Technical	12	2	3	150.00
3	Administrative & Finance	7	5	4	80.00
4	SSS	1	1	1	100.00

Human Resource Development- B. Financial targets and achievements

S.No.	RE 2018-19 for HRD (Rs in lakhs)	Actual Expenditure up to 31 March, 2019 for HRD	% Utilization of allotted budget
1	2	3	3*100/2=4
1.	5.00	4.23	84.60

Human Resource Development-Organization of Institutional Training for SSS

- A training programme on ''Attitude, Aptitude, Organizational Behaviour and Basics of Computer" was organized for Shri. Biswanath Biswal, SSS at ICAR-CIWA during 29-30 March, 2019

मानव संसाधन विकास

चलाई गई गतिविधियों में शामिल हैं : सभी वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक श्रेणी के स्टाफ के कौशल संबंधित कमियों के क्षेत्रों एवं प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का संकलन; वार्षिक प्रशिक्षण योजना (एटीपी) तैयार करना व उसका कार्यान्वयन तथा सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन प्रबंध), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली को मानव संसाधन विकास संबंधी गतिविधियों के बारे में समय-समय पर रिपोर्ट करना

मानव संसाधन विकास – क. भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धियां

क्र.सं.	श्रेणी	कर्मचारियों की कुल सं.	एटीपी के अनुसार 2018-19 के दौरान प्रत्येक श्रेणी के लिए नियोजित प्रशिक्षणों की संख्या	वर्ष 2018-19 के दौरान प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की कुल सं.	वर्ष 2018-19 के दौरान नियोजित प्रशिक्षणों के पूर्ण होने का प्रतिशत
1	2	3	4	5	5/4 x 100 = 8
1	वैज्ञानिक	14	3	4	133.33
2	तकनीकी	12	2	3	150.00
3	प्रशासनिक एवं वित्त	7	5	4	80.00
4	कुशल सहायी कर्मचारी	1	1	1	100.00

मानव संसाधन विकास – ख. वित्तीय लक्ष्य एवं उपलब्धियां

क्र.सं.	मानव संसाधन विकास के लिए 2018-19 का संशोधित आकलन (रुपये लाख में)	दिनांक 31 मार्च 2019 तक मानव संसाधन विकास पर हुआ वास्तविक व्यय	आबंटित बजट के उपयोग का प्रतिशत
1	2	3	3*100/2=4
1.	5.00	4.23	84.60

मानव संसाधन विकास – कुशल सहायी कर्मचारियों के लिए संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

- दिनांक 29-30 मार्च 2019 के दौरान भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्लूए ने श्री बिश्वनाथ बिस्वाल, कुशल सहायी कर्मचारी के लिए 'कम्प्यूटर के प्रति अभिवृत्ति, अभिक्षमता, संगठनात्मक व्यवहार एवं मूल सिद्धांत' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

Right to Information (RTI)

Transparency was facilitated through suo moto disclosures of information made through Institutes website. A total of eight queries under Right to Information Act were replied during the period.

RTI- Annual Report for the Period April, 2018-March, 2019:

Category	Total Number of applications received	Number of applications received		Number of cases transferred to other PAs	Decisions where requests/ appeals accepted	Amount of Regn. Fee collected (Rs.)
		Directly from the applicants	As transferred from other PAs			
Requests	7	5	2	Nil	7	20
First appeals	1	Nil	1	Nil	1	Nil

सूचना का अधिकारी (आरटीआई)

संस्थान के वेबसाइट पर सूचना के स्वत: खुलासों के माध्यम से पारदर्शिता बनाए रखी गई। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान सूचना के अधिकार के अंतर्गत कुल आठ प्रश्नों के उत्तर दिए गए।

आरटीआई - अप्रैल, 2018 - मार्च,2019 की वार्षिक रिपोर्ट:

श्रेणी	प्राप्त आवेदनों की कुल सं.	प्राप्त आवेदनों की संख्या		अन्य पीए को हस्तांतरित मामलों की संख्या	जिन मामलों में अनुरोध/ अपीलें स्वीकार की गई थीं,उनमें लिए गए निर्णय	पंजीकरण के रूप में एकत्र की गई राशि (रुपयों में)
		सीधे आवेदक से	अन्य पीए से हस्तांतरित			
अनुरोध	7	5	2	शून्य	7	20
प्रथम अपील	1	शून्य	1	शून्य	1	शून्य

Editors : Dr. J. Charles Jeeva
Dr. Ananta Sarkar
Dr. Tanuja, S.

Published by : Dr. S.K. Srivastava
Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Bhubaneswar, Odisha- 751 003 (India)
Phone No.: (0674)-2387940, 2387241
Fax No.: (0674) 2387242
E-mail: director.ciwa@icar.gov.in
Website: http://www.icar-ciwa.org.in

संपादक : डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
डॉ. अनन्त सरकार
डॉ. एस. तनुजा

प्रकाशक : डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक
भा.कृ.अ.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान
भुवनेश्वर, ओडिशा - 751 003 (भारत)
दूरभाष सं..: (0674)-2387940, 2387241
फैक्स सं..: (0674) 2387242
ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in
वेबसाइट : http://icar-ciwa.org.in